

हरी का भजन करूँ

हरी का भजन करूँ हरी को नमन करूँ
हरी को पुकारूँ सुबह शाम

हरी के भजन बिन जीवन सूना
कैसे मान समझौँ
छोड़ के जुग के बंधन में तो
द्वार हरी के जौन
हरी के चरण पडून हरी को नमन करूँ
हरी को पुकारूँ

मुरली मनोहर कृपा सरोवर
जाग के पालन हारी
भक्ति दान दो गिरधर नागर
शरण पड़े जो टिहरी
विनती हरी से करूँ हरी को नमन करूँ
हरी को पुकारूँ

हरी का भजन करूँ हरी को नमन करूँ
हरी को पुकारूँ सुबह शाम

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2193/title/hari-ka-bhajan-karu-hari-ko-naman-karu>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |